जीवन हुआ सफल
बन गया कमल
खुश्बू सी बिखर गयी
चन्दन सी महक गयी
मिले जब से हो बाबा
पल पल मैं खिल गयी
जादू सा है छाया
पुलकित हुआ मन मुरझाया
खुशियों की लहर उठी
प्यास प्रेम की बुझी
नयनों ने सपनें संजोए
अधखिले होंठ मुस्कराए
आनन्द से हुए भरपूर
बने बाप के नैनों के नूर
भाग्य की तकदीर जगी
उमंग की जागीर मिली
बेफ़िक्र का ताज़ पहना
पवित्रता का कंघन मिला
निर्विघ्न हुए संपन्न हुए
हुए संतुष्ट सर्व प्राप्ति हुई
मर कर नया जीवन मिला
अविनाशी ज्ञान मिला
प्रभु प्रेम का उपहार मिला
संगम पर सौभाग्य जगा

आत्माओं की ज्योत जली
अतिइन्द्रिय सुख मिला
एक बाबा से पूरा संसार मिला
गुणों से श्रृंगार हुआ
आत्मा को स्वराज्य मिला
विश्व पर अधिकार मिला
प्रभु मिलन की आस हुई पूरी
भक्ति की सौगात मिली
संमुख गीता की मुरली सुनी
असुरों पर विजय प्राप्त हुई
प्रेम सागर में डुबकी लगाई
ज्ञान परी बन कर आई
महाभारत की खत्म हुई लड़ाई
विकारों पर हमनें विजश्री पाई
हुई शांति नया इतिहास रचा
स्वर्ग का गेट खुला

ॐ शांति !!